आइआइम रांची का 15वां स्थापना दिवस मनाया गया, समस्या पहचान उसके निष्पादन पर किया गया विचार-विमर्श

डिजिटल लिटरेसी समय की जरूरत : डॉ रामास्वामी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

बेहतर प्रदर्शन करनेवाले छात्रों को किया गया सम्मानित

नयी शिक्षा नीति देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में लागू कर दी गयी है. आज के युवा कम समय में बेहतर जानकारी हासिल करने पर विश्वास रखते हैं. ऐसे में कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ बड़े टॉपिक को कम शब्दों में बेहतर तरीके से कैसे साझा किया जाये, प्राध्यापकों को इसकी तैयारी करना होगी. नये बदलाव के क्रम में पूर्व से स्थापित पद्धतियां नाकाम होती हैं. वहीं नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान और डिजिटल लिटरेसी को अपनाकर नयी शैक्षणिक पद्धति को बढ़ावा देने की जरूरत है. ये बातें भारत सरकार के क्षमता विकास आयोग के सदस्य डॉ रामास्वामी बालासुब्रमण्यम ने कहीं.

वे शुक्रवार को आइआइम रांची के 15वें स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने प्रबंधन शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों से कहा कि वर्तमान सामाजिक चुनौतियों को व्यावहारिक तौर-तरीके से हल करना ही एक प्रबंधक की जिम्मेदारी है. इसके लिए समस्याओं की पहचान कर उसके निष्पादन पर विशेष ध्यान देना होगा. देश में क्लाइमेट चेंज और गरीबी एक बड़ी समस्या है, जिसका समाधान पूंजीवाद है. ऐसे में उत्पादन के साधनों पर व्यक्तिगत नियंत्रण, स्वतंत्र औद्योगिक चुनौतियों और उपभोक्ता की मांग को समझकर व्यवस्था में बदलाव कर किया जा सकता है. साथ ही युवा पीढ़ी को बिग डेटा और एआइ पर नियंत्रण रखने की जरूरत है. इसका इस्तेमाल लोगों के रोजगार अवसर को खत्म न कर नये अवसर तैयार करने में करना होगा.

42 विद्यार्थी से शुरू हुई संस्था में अब 1000 से अधिक शिक्षार्थी

निदेशक दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि संस्था की स्थापना 2009 में हुई. वहीं पांच जुलाई 2010 को एमबीए के 42 विद्यार्थियों के साथ क्लास की शुरुआत हुई. आइआइएम कोलकाता के मार्गदर्शन पर संस्था का विकास हुआ. अब स्थायी कैंपस में सात कोर्स चलाये जा रहे हैं. इसमें 61 प्राध्यापक और 1000 से अधिक विद्यार्थी हैं. उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य केंद्रित शिक्षा हासिल करते हुए बेहतर इंसान बनाने के लिए प्रेरित किया.

बेहतर प्रदर्शन करने वाले 36 विद्यार्थी हुए सम्मानित

इस अवसर पर सत्र 2022-24 एमबीए, एमबीए-बीए, एमबीए-एचआरएम, एग्जीक्यूटिव एमबीए, आइपीएम सत्र 2021-26 और 2022-27 के कुल 36 विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया. साथ ही संस्था में 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा करनेवाले तीन कर्मचारियों मानस बनर्जी, स्वाति किंडो और चौधरी अर्शदीप दास को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. स्थापना दिवस समारोह पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किये. मौके पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रवीण शंकर पंड्या आदि मौजूद थे.

Prabhat Khabar_16.12.2023_Pg. 10